भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

23.07.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 552 का उत्तर

बागपत जिले में रेल यात्रियों की समस्याएं

552. डॉ. राजकुमार सांगवान:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि बागपत जिले में रेल यात्रियों को स्थानीय स्टेशनों पर प्रमुख रेलगाड़ियों का ठहराव न होने, पुल निर्माण नहीं होने और रेलगाड़ियों में डिब्बों की कम संख्या जैसी अनेक गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का विचार बड़ौत स्टेशन पर रेलगाड़ी संख्या 14305/14306 (हरिद्वार-दिल्ली एक्सप्रेस) का ठहराव सुनिश्चित करने और उस पर एफओबी/आरओबी का निर्माण करने का है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का विचार रेलगाड़ी संख्या 19609/19610 (उदयपुर-ऋषिकेश एक्सप्रेस) को टटीरी (बागपत), बड़ौत और खेकड़ा स्टेशनों पर ठहराव सुनिश्चित करने का है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का रेलगाड़ी संख्या 04023 (दिल्ली-बागपत कासिमपुर खेड़ी) को स्थायी आधार पर चलाने का विचार है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार का बागपत जिले से गुजरने वाली रेलगाड़ियों में डिब्बों की संख्या बढ़ाने के लिए कोई ठोस कार्रवाई करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): जैसा कि रेल नेटवर्क जिला की सीमा के आर-पार फैला हुआ है, गाड़ियों को नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार ऐसी सीमाओं के आर-पार शुरू किया जाता है। बागपत जिला मुख्य रूप से बागपत रोड, बड़ौत, मोदिनगर स्टेशनों द्वारा सेवित है, जो क्रमशः 12 जोड़ी, 13 जोड़ी और

13 जोड़ी गाड़ी सेवाओं द्वारा सेवित किया जा रहा है। ये गाड़ी सेवाएं दिल्ली, हरिद्वार, सहारनपुर आदि जैसे शहरों को सीधी सम्पर्कता प्रदान कर रही हैं।

14305/06 दिल्ली-हरिद्वार एक्सप्रेस और 19609/10 उदयपुर सीटी-योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस का बड़ौत में ठहराव निर्धारित किया गया है, जहां से आस-पास के स्टेशनों के यात्री भी इन सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

04023/24 दिल्ली-कासिमपुर खेड़ी मेमू का 64092/64093 कासिमपुर खेड़ी-दिल्ली मेमू के रूप में परिचालित किया जा रहा है।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर ठहरावों का प्रावधान और सेवाएं शुरू करना एक सतत प्रक्रिया है, जो यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता आदि पर निर्भर करती है।

भारतीय रेल पर समपारों के स्थान पर ऊपरी सड़क पुलों/निचले सड़क पुलों के कार्य की स्वीकृति और निष्पादन एक सतत और चालू प्रक्रिया है। ऐसे कार्यों की प्राथमिकता निर्धारित की जाती है और इन्हें संरक्षा पर इसके प्रभाव और गाड़ी परिचालनों में गतिशीलता तथा सड़क उपयोगकर्ताओं पर इसके प्रभाव के आधार पर शुरू किया जाता है।

भारतीय रेल पर वर्ष 2004-14 की तुलना में वर्ष 2014-25 (जून, 2025) की अवधि के दौरान निर्मित ऊपरी सड़क पुलों/निचले सड़क पुलों की संख्या निम्नानुसार हैं:

अवधि	निर्मित ऊपरी सड़क पुल/निचले सड़क पुल
2004-14	4,148 अदद
2014-25 (जून 2025)	13,426 अदद (इसमें उत्तर प्रदेश राज्य के 1649 अदद भी शामिल हैं)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल पर 1,00,860 करोड़ रुपए की लागत पर 4,402 अदद ऊपरी सड़क पुलों/निचले सड़क पुलों को स्वीकृत किया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश राज्य में 14,022 करोड़ रुपए की लागत पर 736 अदद ऊपरी सड़क पुल/निचले सड़क पुल शामिल हैं, जो योजना और निष्पादन के विभिन्न चरणों पर हैं।

वर्तमान में, बड़ौत तहसील सहित बागपत जिले में 165 करोड़ रुपए की लागत पर 08 अदद ऊपरी सड़क पुलों/निचले सड़क पुलों को स्वीकृत किया गया है, जो योजना और निष्पादन के विभिन्न चरणों पर हैं।

*****